Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 11

इतिहास

विश्व इतिहास के कुछ विषय

अनुभाग- 4 : आधुनिकीकरण की ओर
विषय-7 : आधुनिकीकरण के रास्ते

अभ्यास प्रश्न-2

निर्मल सिंह



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संक्षेप में निबंध लिखिए

6 क्या पड़ोसियों के साथ जापान के युद्ध और उसके पर्यावरण का विनाश तीव्र औद्योगीकरण की जापानी नीति के चलते हुआ?

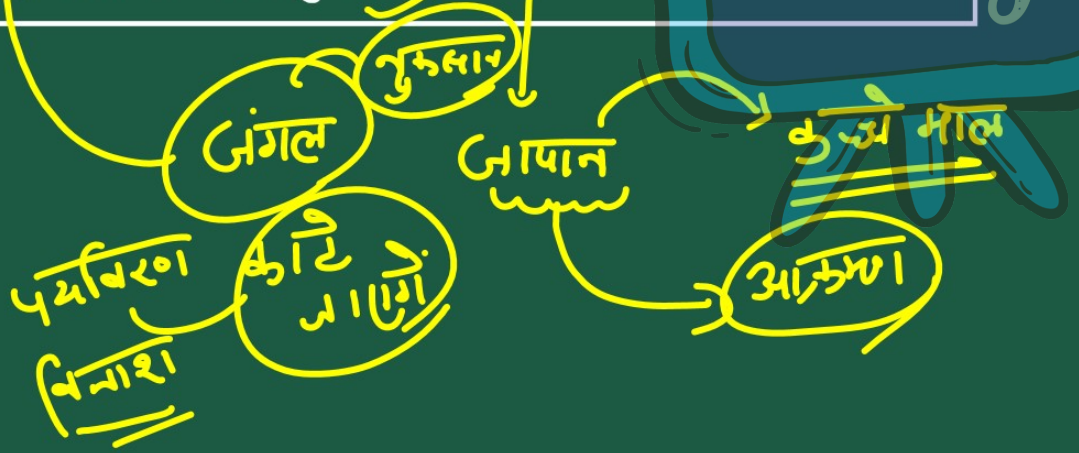

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6 क्या पड़ोसियों के साथ जापान के युद्ध और उसके पर्यावरण का विनाश तीव्र औद्योगीकरण की जापानी नीति के चलते हुआ?

उत्तर :

- मेजी पुनस्थापना के तकरीबन चालीस वर्षों के अंतराल में जापान ने आर्थिक-राजनैतिक-सामाजिक सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की।
- 'फुकोकु क्योहे' अर्थात् 'समृद्ध देश, मजबूत सेना' के नारे के साथ सरकार ने अपनी नवीन नीति की घोषणा की।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इस नयी नीति का उद्देश्य था- अपनी अर्थव्यवस्था एवं सेना को मजबूत बनाना।
- मेजी सुधारों के अंतर्गत अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण पर अत्यधिक बल दिया गया।
- सूती वस्त्र उद्योग को प्रोत्साहित करने हेतु कपास की नयी-नयी किस्मों को विकसित करने का प्रयास किया गया।
- संचार और यातायात के अत्याधुनिक संसाधनों ने आर्थिक क्रांति में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- औद्योगिक विकास की तीव्र गति ने जापान को पड़ोसियों के साथ युद्ध करने के लिए विवश कर दिया।
- जापान भी बाजार की खोज में 19वीं शताब्दी में औपनिवेशिक दौड़ में सम्मिलित हो गया।
- जापान के साम्राज्यवाद का एक अन्य प्रमुख कारण एशिया और प्रशांत क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता को साबित करना था।
- फलतः उसे 1894 – 95 में चीन के साथ और 1904 – 05 में रूस के साथ युद्ध करना पड़ा।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात् जापान की अर्थव्यवस्था निरंतर विकास की ओर बढ़ने लगी।
- वह सूती वस्त्र और कच्चे रेशम का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन गया।
- इंजीनियरिंग एवं लोहा-इस्पात उद्योग के क्षेत्र में जापान ने अद्वितीय विकास किया।
- तीव्र गति से औद्योगिक विकास का एक नकारात्मक पक्ष था – पर्यावरण का दिन-पर-दिन दूषित होना।

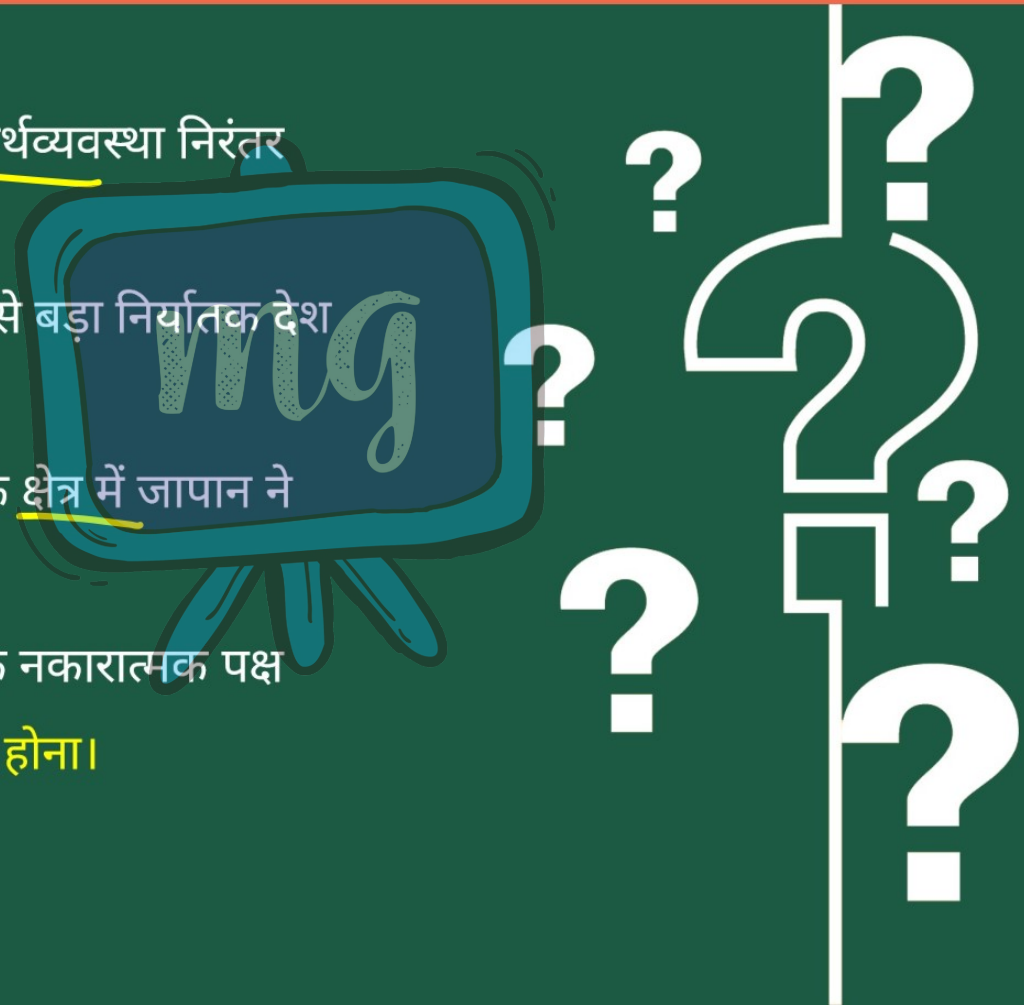

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- औद्योगिक विकास ने लकड़ी की माँग में वृद्धि की जिससे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हुई।
- प्रथम संसद (1897 ई. में) के निम्न सदन के सदस्य तनाको शोज़ों ने औद्योगिक प्रदूषण के विरोध में पहला आंदोलन किया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् जापान में होने वाले तीव्र औद्योगिक विकास का जनसामान्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ा।
- 1960 के दशक के उत्तरार्द्ध में हवा इतनी दूषित हो गई कि अनेक समस्याएँ उठ खड़ी हुई।

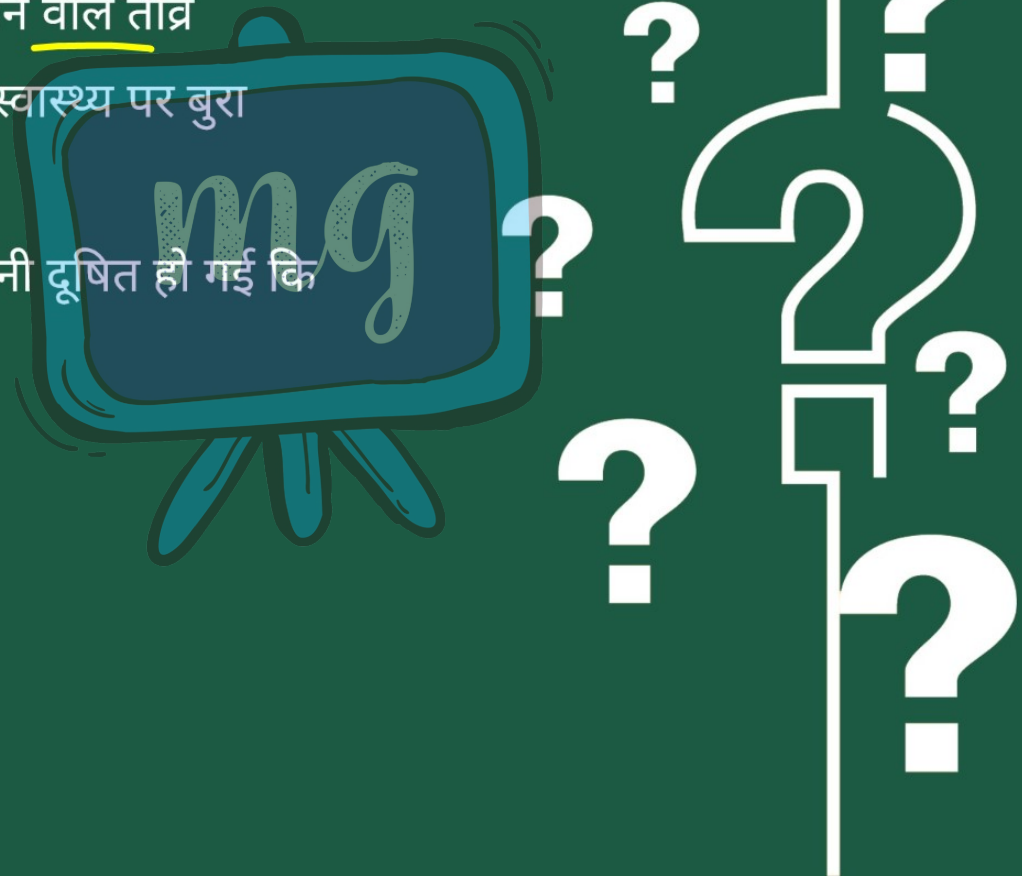

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

7 क्या आप मानते हैं कि माओ त्सेतुंग और चीन के साम्यवादी दल ने चीन को मुक्ति दिलाने और इसकी मौजूदा कामयाबी की बुनियाद डालने में सफलता प्राप्त की?

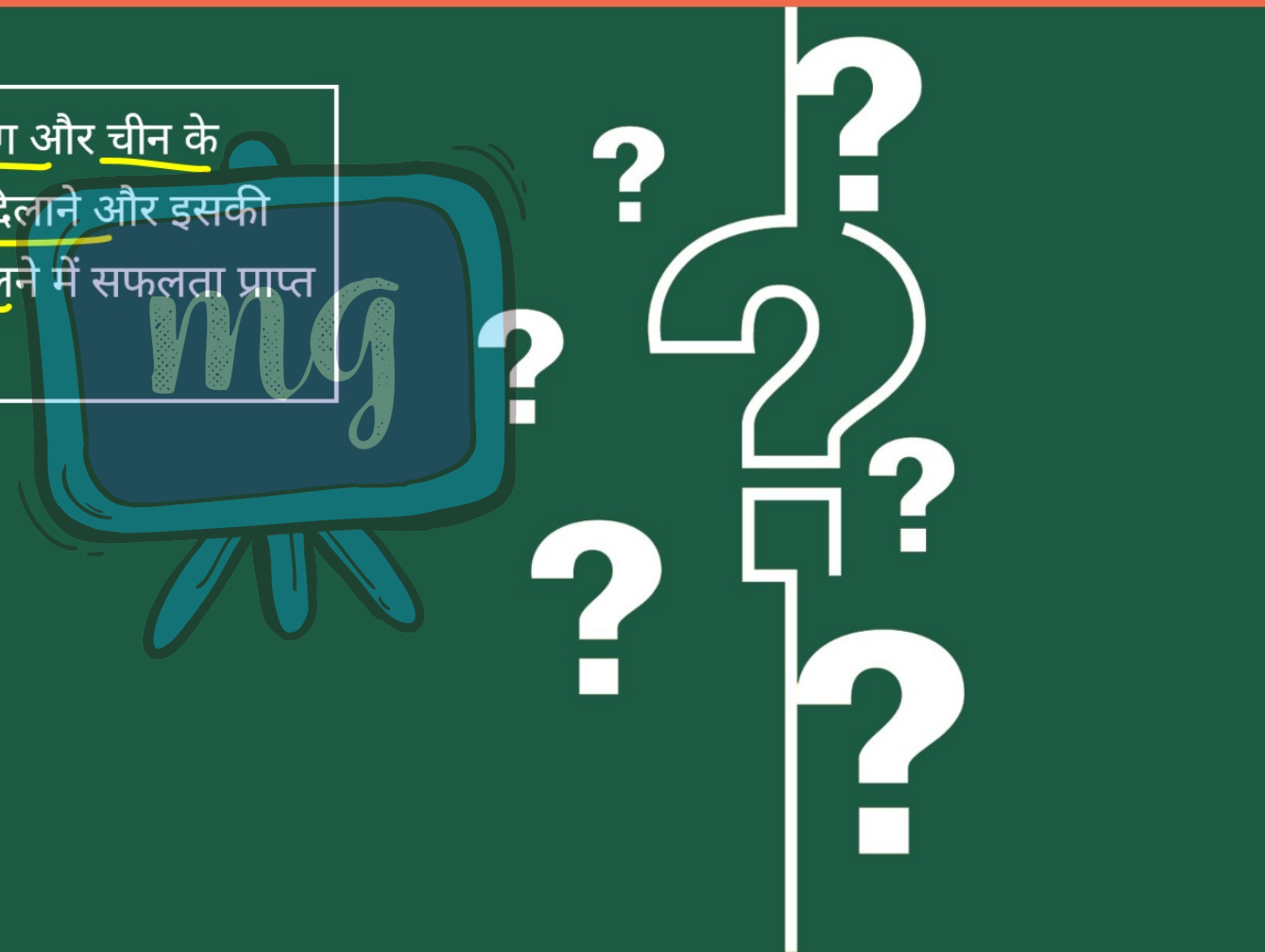

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

7 क्या आप मानते हैं कि माओ त्सेतुंग और चीन के साम्यवादी दल ने चीन को मुक्ति दिलाने और इसकी मौजूदा कामयाबी की बुनियाद डालने में सफलता प्राप्त की?

उत्तर :

☛ अधिकतर इतिहासकार इस विचार से सहमत हैं कि माओ त्सेतुंग और चीन के साम्यवादी दल चीन को मुक्ति दिलाने में सफल रहे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- 1921 ई. में साम्यवादी दल की स्थापना की गई जो अपने प्रारंभिक चरण में ही एक शक्तिशाली दल के रूप में उभरने लगा।
- हालाँकि एक समय चीन में दो सरकारों का अस्तित्व था।
- इनमें से एक कुओमीनतांग (राष्ट्रवादी दल) की सरकार थी। इसके अध्यक्ष सन यात-सेन थे।
- दूसरी सरकार का अध्यक्ष एक सैनिक जनरल च्यांग काई शेक था।
- माओ त्सेतुंग घोर परिवर्तनवादी थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने एक ताकतवर किसान सोवियत का गठन किया और भूमि अधिग्रहण करके पुनः नए नियमों के अनुसार वितरण किया।
- साथ-साथ उन्होंने स्वतंत्र सरकार एवं सैन्य-संगठन पर बल दिया।
- माओ त्सेतुंग स्त्रियों की समस्याओं से पूरी तरह से परिचित थे।
- अतः उन्होंने ग्रामीण महिला संघों को प्रोत्साहन दिया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- विवाह संबंधी नए कानूनों का निर्माण किया, इन्होंने विवाह संबंधी समझौतों या क्रय-विक्रय पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया।
- तलाक की प्रक्रिया को आसान बनाया।
- माओ त्सेतुंग एक शोषणमुक्त राष्ट्र का निर्माण करना चाहते थे।
- द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान की हार के पश्चात चीन को जापानी प्रभाव से पूरी तरह से मुक्ति मिल गई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- 1943 को चीन में 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' के नाम से गणतंत्रीय सरकार की स्थापना कर दी गई।
- नए गणतंत्र के प्रथम राष्ट्रपति माओ त्सेतुंग और प्रथम प्रधानमंत्री चाऊ-एन-लाई बने।
- इस सरकार ने अपने आरंभिक वर्षों में कुछ अहम् भूमि सुधार संबंधी कानून लागू किए।
- औद्योगिक क्रांति के लिए सुनियोजित कार्यक्रम भी तैयार किया गया।

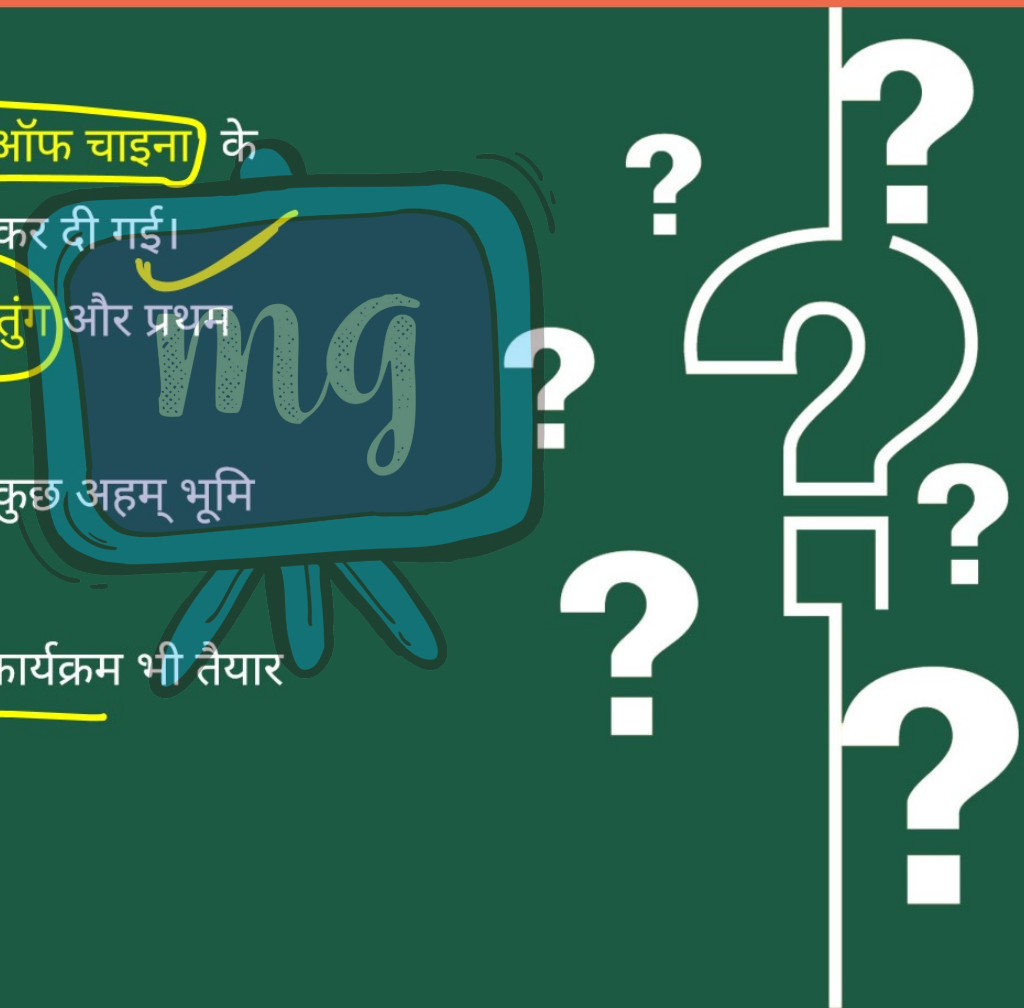

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों पर सरकारी नियंत्रण स्थापित कर दिया गया।
- निजीकरण को धीरे-धीरे समाप्त कर दिया गया।
- चीन ने जिस नए कार्यक्रम के तहत कार्य किया वह "लंबी छलाँग" के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
- इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य आर्थिक सुधार करना था।
- माओ ने 1954 ई. तथा 1956 ई. में क्रमशः कृषि का सहकारिताकरण तथा सामूहिकीकरण आरंभ करने की दिशा में अहम कदम उठाया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- चीनवासियों को अपने – अपने घरों के पीछे इस्पात की भट्ठियाँ लगाने के लिए प्रेरित किया गया।
- गाँवों में 'पीपुल्स कम्यून्स' स्थापित किए गए, ये सामूहिक उत्पादन तथा सामूहिक अधिकार के तहत कार्य करते थे।
- माओ त्सेतुंग ऐसे 'समाजवादी' व्यक्तियों का निर्माण करना चाहते थे, जिन्हें पितृभूमि, जनता, काम, विज्ञान तथा जनसंपत्ति पाँचों से बेहद प्यार हो।

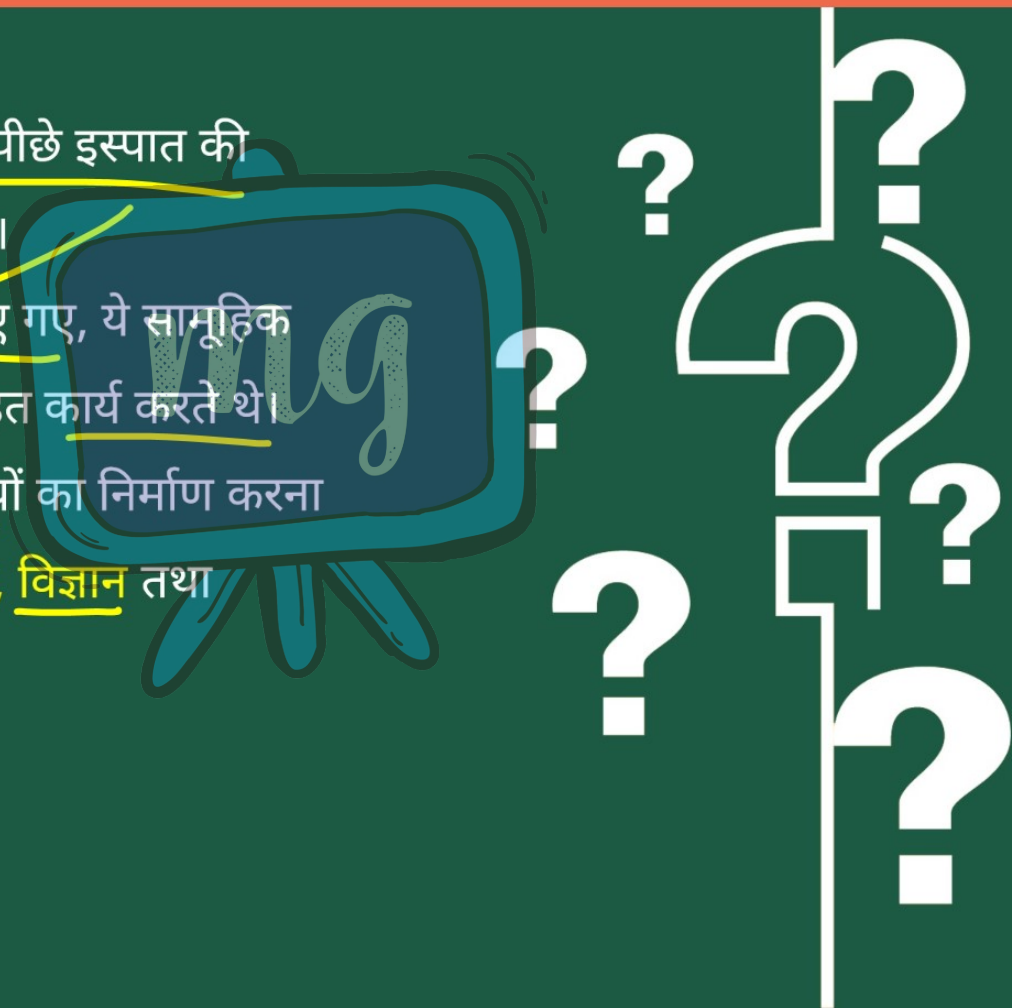

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने महिलाओं के लिए 'ऑल चाइना डेमोक्रेटिस वीमेन्स फेडरेशन' तथा विद्यार्थियों के लिए 'ऑल चाइना स्टूडेंट्स फेडरेशन' का निर्माण किया।
- माओ त्सेतुंग ने 1965 ई. में महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति का प्रारंभ किया।
- इसके अंतर्गत पुरानी आदतों, पुरानी संस्कृति तथा पुराने रिवाजों के प्रतिक्रियास्वरूप अभियान छेड़े गए।
- इन अभियानों में मुख्य रूप से सेना एवं छात्रों का प्रयोग किया गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- माओ त्सेतुंग की विचारधारा को न मानने वालों को नाना प्रकार की मुसीबतों और यातनाओं का सामना करना पड़ा।
- 1970 ई. में चीन की परिस्थितियों तेजी से बदलने लगीं।
- चीन परमाणु शक्ति से भी संपन्न हो गया।
- कालांतर में वह संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता तथा सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य भी बन गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

8 | क्या साउथ कोरिया की आर्थिक वृद्धि ने इसके लोकतंत्रीकरण में योगदान दिया?

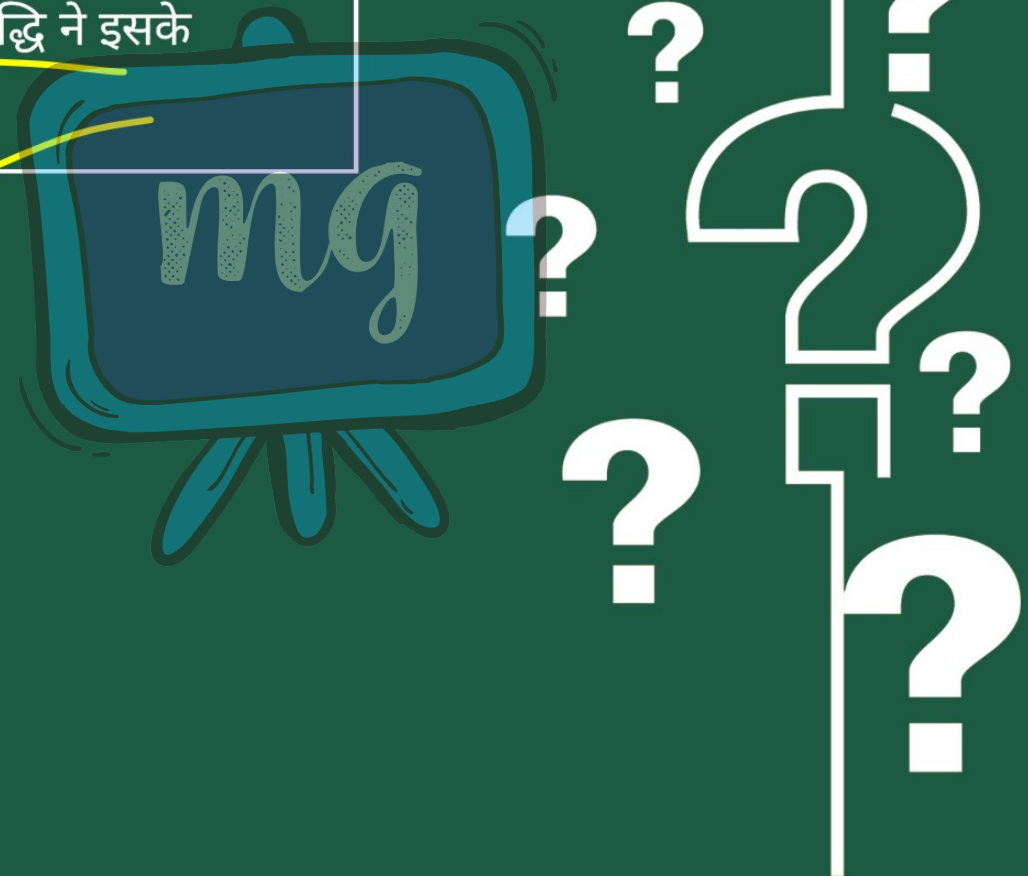

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

8 | क्या साउथ कोरिया की आर्थिक वृद्धि ने इसके लोकतंत्रीकरण में योगदान दिया?

उत्तर :

- दक्षिण कोरिया की अर्थव्यवस्था जी-20 कहलाने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।
- यह एक उच्च आय वाली विकसित अर्थव्यवस्था है ।
- 1960 के दशक की शुरुआत से 1990 के दशक के अंत तक दक्षिण कोरिया दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते देशों में से एक था।

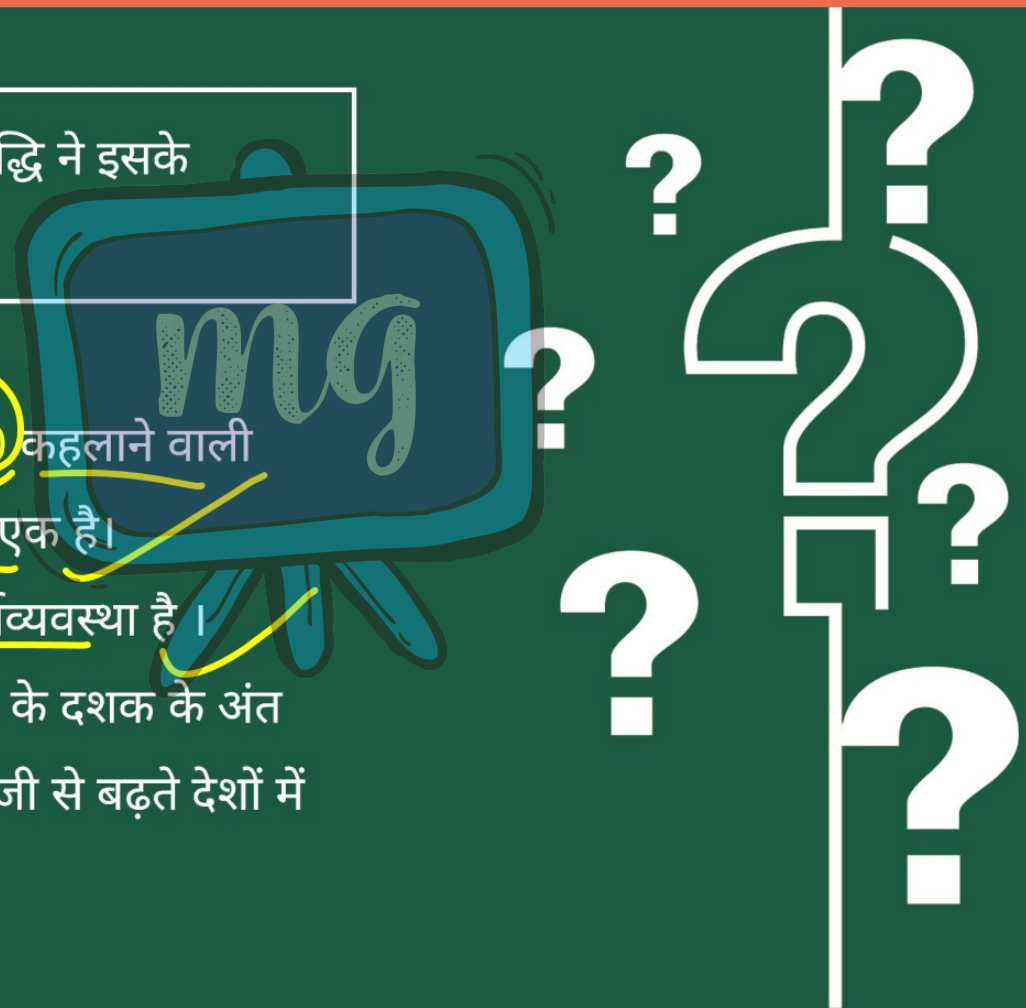

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- अक्तूबर 1963 के चुनाव में सैन्य नेता 'पार्क चुंग ही' राष्ट्रपति बने।
- पार्क प्रशासन ने देश में आर्थिक विकास के लिए निर्यात-उन्मुख नीति अपनाई।
- सरकार की पाँच वर्षीय आर्थिक योजनाओं ने बड़े कॉरपोरेट फर्मों का समर्थन किया।
- रोजगार के विस्तार पर भारी जोर दिया गया।

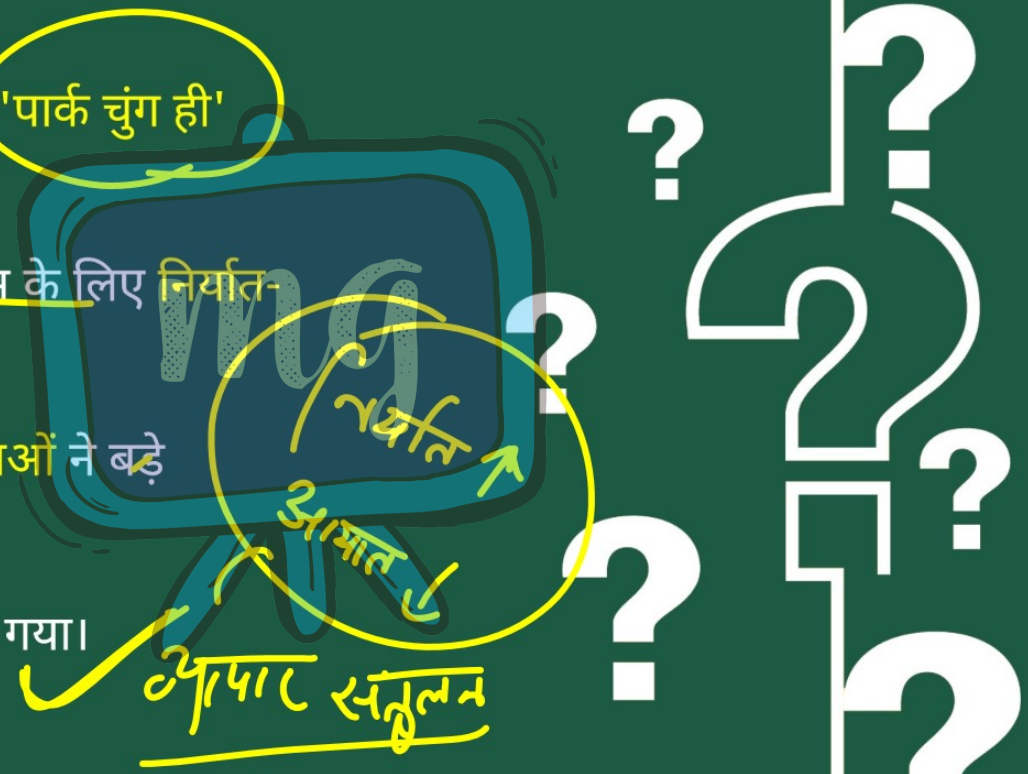

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इस्पात, अलौह धातु, मशीनरी, जहाज निर्माण, इलैक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक उत्पादन को आर्थिक विकास की दौड़ में सबसे महत्वपूर्ण उद्योगों के रूप में चुना गया।
- 1970 में ग्रामीण जनसंख्या को प्रोत्साहन और कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए नया गाँव (सैमौल) आंदोलन की शुरुआत हुई।

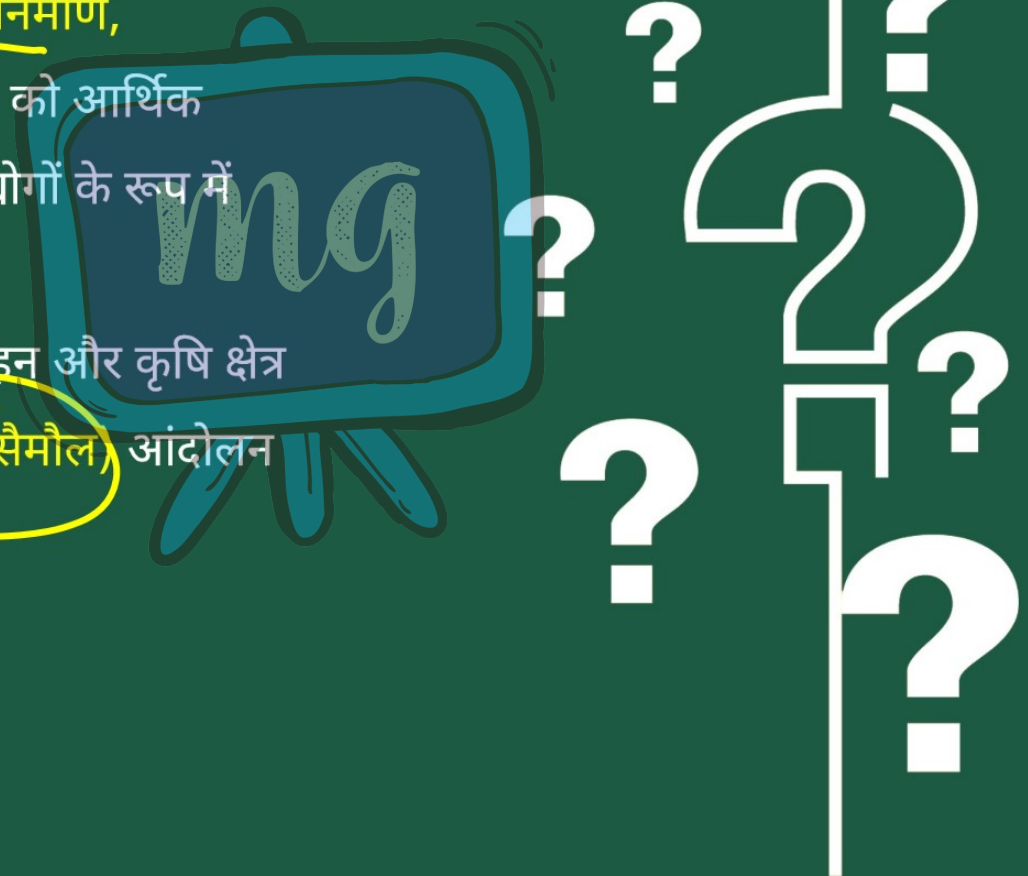

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ नए प्रशासन की निर्यात नीति के तहत सैमसंग, हुंडई और एलजी सहित कुछ कंपनियाँ वैश्विक प्रमुखता के स्तर तक पहुँच चुकी थीं।

